युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
फरवरी, 2018 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

फरवरी मास का चार्ट:

लक्ष्य – व्यर्थ संकल्प मुक्त

हम ब्राह्मण आत्माओं को समय अनुसार व्यर्थ संकल्पों से मुक्त होना अनिवार्य है। व्यर्थ संकल्प चलना एवं दूसरों का चलाना दोनों ही अपवित्रता है। व्यर्थ संकल्प की लिकेज हमारी आध्यात्मिक शक्ति को नष्ट कर देती है। व्यर्थ संकल्प हमें अलौकिक आनन्द से कोसों दूर रखते हैं। ये क्यों, ये क्या, ऐसा होना नहीं चाहिए, ऐसा होना चाहिए...ये व्यर्थ संकल्प हमें अपनी विशेषता को ईश्वरीय कार्य में लगाने से वंचित कर देते हैं। अभिमान और अपमान यह मुख्य दो कारण हैं जो व्यर्थ संकल्प चलाने के निमित्त बनते हैं।

आइ-ने, हम व्यर्थ संकल्पों से मुक्त होकर संसार की आत्माओं को भी इससे मुक्त करें और मुक्ति का द्वार खोलें।

विधि :

सप्ताह	**दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ**
पहला	पास्ट इस पास्ट करना
दूसरा	कारण को निवारण में परिवर्तन करना
तीसरा	साक्षी दृष्टा का अभ्यास
चौथा	आत्म अभिमानी स्थिति

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चलते फिरते, कार्य करते अभ्यास एवं चिन्तन करना है। उस पर कम से कम 10 लाईन लिखनी है। रोज रात को चेक करना है कि कितना % व्यर्थ संकल्प मुक्त रहे।

❖फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. व्यर्थ संकल्प मुक्त - 60%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. परदर्शन, परचिन्तन से मुक्त रहेंगे।
2. देखते हुए नहीं देखना, सुनते हुए नहीं सुनने की अवस्था।

अभ्यास: हर घण्टे 1 मिनट स्वमान में रहने का अभ्यास।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

स्वमान

1. मैं आत्मा पास्ट इस पास्ट करनेवाली हूँ।	15. मैं आत्मा सर्व को सकाश देने वाली हूँ।
2. मैं आत्मा त्रिकालदर्शी हूँ।	16. मैं आत्मा ड्रामा की पटरी पर एक्युरेट चलनेवाली हूँ।
3. मैं आत्मा बिन्दु बन बिन्दु लगानेवाली हूँ।	17. मैं आत्मा नथिंग न्यू की स्थिति में स्थित हूँ।
4. मैं आत्मा बीती को बिन्दि लगानेवाली हूँ।	18. मैं आत्मा हर एक के पार्ट की सराहना करनेवाली हूँ।
5. मैं आत्मा पास्ट से पाठ पढ़नेवाली हूँ।	19. मुझ आत्मा के लिए हर सीन कल्याणकारी है।
6. मैं आत्मा क्षमाशील हूँ।	20. मैं आत्मा निर्बल में बल भरनेवाली हूँ।
7. मैं आत्मा कारण को निवारण करनेवाली हूँ।	21. मैं आत्मा रहमदिल हूँ।
8. मैं आत्मा ज्ञान स्वरूप हूँ।	22.मैं आत्मा देह से न्यारी हूँ।
9. मैं आत्मा मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ।	23.मैं आत्मा चमकता हुआ सितारा हूँ।
10. मैं आत्मा समाधान स्वरूप हूँ।	24.मैं आत्मा निराकारी हूँ।
11. मैं आत्मा आधारमूर्त हूँ।	25. मैं आत्मा प्रकाश पुंज हूँ।
12. मैं आत्मा उद्धारमूर्त हूँ।	26. मैं आत्मा ज्योति बिन्दु स्वरूप हूँ।
13. मैं ज्ञानी तू आत्मा हूँ।	27. मैं आत्मा सर्वश्रेष्ठ हूँ।
14. मैं आत्मा साक्षीदृष्टा हूँ।	28. मैं आत्मा देह की मालिक हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम:_____ **सेन्टर का नाम:**_____ **DiDar No:**_____

गुड मॉर्निंग-90% **अमृतवेला-75%**
व्यायाम/पैदल-80% **ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%**
मुरली क्लास-90% **नुमाशाम का योग-80%**
स्वमान की स्मृति-75% **अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**
व्यर्थ संकल्प मुक्त -60% **गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com
Website: www.bkyouth.org